धन्वंतरि मंत्र

ॐ नमो भगवते महासुदर्शनाय वासुदेवाय धन्वंतराये:
अमृतकलश हस्ताय सर्व भयविनाशाय सर्व रोगनिवारणाय
त्रिलोकपथाय त्रिलोकनाथाय श्री महाविष्णुस्वरूप
श्री धनवंतरी स्वरूप श्री श्री श्री औषधचक्र नारायणाय नमः ॥

अर्थ:- परम भगवन को, जिन्हें सुदर्शन वासुदेव धन्वंतरि कहते हैं, जो अमृत कलश लिए हैं, सर्व भयनाशक हैं, सर्व रोग नाश करते हैं, तीनों लोकों के स्वामी हैं और उनका निर्वाह करने वाले हैं; उन विष्णु स्वरूप धन्वंतरि को सादर नमन है।

धन्वंतरि मूल मंत्र

मंत्र 1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय धन्वन्तरये, अमृत कलश हस्ताय ।
सर्वामय विनाशाय, त्रैलोक्य नाथाय महाविष्णवे नमः ॥ 1 ॥

मंत्र 2

ॐ नमो भगवते महा सुदर्शनाय वासुदेवाय धन्वन्तरये,
अमृत कलश हस्ताय ।
सर्वाभय विनाशाय सर्वरोग निवारणाय,
त्रैलोक्य पतये त्रैलोक्य नाथाय ।
श्री महाविष्णवे स्वरूपाय श्री धन्वंतरि स्वरूपाय,
श्री श्री औषध चक्र नारायणाय नमः ॥ 2 ॥